Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 07-12-2006

Participants : Aditya Nath Shri

an>

Title: Need to confer Bharat Ratna Award on late Veer Savarkar.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): उपाध्यक्ष महोदय, स्वातंत्र्यवीर सावरकर भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास में एक ऐसा नाम है जिन्होंने अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व से स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा देकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। वे पहले ऐसे भारतीय छात्र थे जिन्हें ब्रिटिश हुकूमत ने छात्रावास से केवल इसलिए निकाल दिया था कि उन्होंने अंग्रेजों के दमन के खिलाफ आवाज बुलन्द की थी। वे ऐसे स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने आजादी का अलख जगाने के लिए 1906 में विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। वे पहले भारतीय नेता थे जिन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की पचासवीं जयंती सार्वजनिक रूप से मनाई थी। वे भारत के पहले लाल थे, जिन्होंने ब्रिटिश हुकूमत की मांद लन्दन में जाकर अंग्रेजों का विरोध किया था। वे एकमात्र ऐसे नायक थे, जिन्हें अंग्रेजों ने दो जन्मों, यानी 50 वर्ा के कठोर कारावास की सजा दी थी। वे कवि थे, लेखक थे, दार्शनिक थे और क्रांतिकारी भी।

इतिहास के पन्ने गवाह हैं कि वीर सावरकार ने जितनी भीाण और दानवी यातनाएं सहीं, उनका शतांश भी सम्भवतः किसी को नहीं सहना पड़ा। राजगोपालाचारी ने ठीक ही कहा था कि "सावरकर एक राट्रीय नायक थे, साहस के प्रतीक थे, बहादुर और देशभक्त थे तथा स्वतंत्रता संग्राम की लम्बी लड़ाई के अधिरथी थे।"

महोदय, मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि ऐसे महान् देशभक्त, महान् क्रांतिकारी को भारत-रत्न से सम्मानित किया जाए।